Ch-1 एक दुनिया रचें

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

१ 'एक दुनिया रचें' कविता में कवि का नाम क्या है?
उ- 'एक दुनिया रचें' कविता में कवि का नाम "रमेश तैलंग" है।

२ एक प्यार भरी दुनिया कैसे रची जा सकती है?
उ- एक प्यार भरी दुनिया ऐसे रची जा सकती है जिसमें संसार की सारी खुशियाँ हो।

3. दुनिया की कौन-सी दीवारें तोड़ने की बात की गई है?
उ- दुनिया की नाकारात्मक रूपी भेद-भाव की दीवारें तोड़ने की बात की गई है?

४. किन विचारों को आज कोई मतलब नहीं है?
उ- जो इनसानों को बिना बात बाँट दें इन विचारों का आज कुछ मतलब नहीं है।

५. इस संसार की विशेषता क्या है?
उ- यह संसार बहुत बड़ी है। यहाँ तरह-तरह के लोग रहते हैं। हमारे इस सुंदर सी धरती पर विभिन्न भाषा, जाति, वेश-भूषा व विभिन्न मतों के लोग एक साथ निवास करते हैं। इतने विभिन्न रंगों को एकीकृत रूप में अपने पन के साथ रहते हैं। भले ही मत अलग क्यों न हो फिर भी एक धरती माता के संतान हैं।

६. हमें सबके साथ कैसे रहना चाहिए?
उ- हमें सबके साथ मिलजुलकर प्रेम, तथा एकता से रहना चाहिए।

७ निम्न लिखित शब्दों से वाक्य बनाओ-
- दुनिया - यह दुनिय बहुत बड़ी है।
- प्रेम - हमें सबके साथ प्रेम तथा एकता से रहना चाहिए।
- मेलजोल - हमें सबके साथ मेलजोल का भाव रखना चाहिए।

८ विलोम शब्द लिखो -
- हमारा - तुम्हारा
- देश - विदेश
- भला - बुरा

९ सही मिलान कीजिए।

एक धरती के	ये दीवारें बेकार की
तोड़ डालें	आओ हम प्यार की
एक दुनिया रचें	बेटे हैं हम, मान लें।

१० निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
I) तीन मित्र कौन - कौन थे?
उ- क) दो हंस एक कछुआ
II) किसे दूसरे तालाब में जाने की समस्या थी?
उ- ख) कछुए को
III) तालाब सूख गया, क्योंकि
उ- क) बहुत गर्मी थी
IV) हंसों ने कहा कि उपाय तो अच्छा है, पर
उ- क) तुम बातूनी होने के कारण रास्ते में बात नहीं करना
V) अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी मारने का अर्थ है :
उ- क) अपना नुकसान स्वयं करना

११ अनुच्छेद लिखिए।
मेरा विद्यालय अथवा प्रिय मित्र।

उ-

प्रिय मित्र

जीवन में सही दिशा पाने या आगे बढ़ने के लिए हम सभी के लिए सच्चा मित्र की बहुत जरूरत है अच्छा और सच्चा दोस्त पाना बहुत कठिन है पर कुछ भाग्यशाली लोग इसे पाते है उनमें से मैं एक हूँ। हर्षिता मेरी सबसे अच्छी मित्र है। हम दोनों एक ही कक्षा में पढ़ते हैं। वह एक आदर्श विद्यार्थी है। वह कक्षा में सबसे आगे है। वह सबके साथ उदार और शिष्टाचार का भाव रखती है। वह किसी के साथ झगड़ा नहीं करती है। वह बड़ों का आदर करती है तथा छोटों से प्यार करती है। उसी ने मुझे समय का महत्व समझाया है। सच्चे मित्र की परीक्षा विपत्ती में होती है। जब मैं मुशीबत में होती हूँ, वह मेरी मदद करती है। जब कभी भी मैं बीमार होती हूँ और स्कूल नहीं जा पाती वह मेरी पढ़ाई में मदद करती है। उसके उन अच्छे गुणों के कारण मुझे उस पर गर्व है। मैं भगवान से प्रार्थना करती हूँ की हमारी मित्रता सारा जीवन बनी रहे, जिससे हम एक दुसरे की मदद कर सके।